

जज
मा विांक
पगांठ
बासी
पत्र
पेश
स
की
अकश
24

दिनांक	हुकम या कार्यवाही मय हनिशियल जज
	* सुनकी... कालु वि... *
	<p>23/02/24... पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब... अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि उप. आयन्दा दिनांक... 23/5/24 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">रिज</p>
	<p>7/5/24... पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब... अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि उप. आयन्दा दिनांक... 25/6/24 को पेश हो।</p>
25/6/24	<p style="text-align: center;">रीज</p> <p>वकील बलभरान उप... वाले प्रताप ६८० २२(५)आ० ६६० पत्रावली दिनांक 29/7/24 को पेश हो।</p>
29/7/24	<p>वकील बलभरान उप... वाले प्रताप ६८० २२(५)आ० ६६० पत्रावली दि० 2/9/24 को पेश हो।</p>
	<p>2/9/24... पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब... अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि उप. आयन्दा दिनांक... 4-9-24 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">रिज</p>
	<p>4/9/24... पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब... अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि उप. आयन्दा दिनांक... 14/10/24 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">रिज</p>
	<p>14/10/24... पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब... अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि उप. आयन्दा दिनांक... 10/12/24 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">रिज</p>
	<p>10/12/24... पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब... अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि उप. आयन्दा दिनांक... 18/02/25 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">रिज</p>
18/02/25	<p>पत्रावली पेश हुई। बार-बार भावाजी लगावड़ी गई। वादी/वकील वादी उपजि। अदालत का समय समाप्ति की ओर है। अतः दावा वादी असम दावती। पेंसरी में वारिज किया जाकर पत्रावली फौलव शुमार होकर दलित्व लेब अठार हो।</p> <p style="text-align: center;">रिज</p>